INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAS

RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION

मुख्य परीक्षा हेतु

भाग – 9

सामान्य हिंदी + अंग्रेजी

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**RAS (Rajasthan Administrative Service) (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु)**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**Rajasthan State and Subordinate Services Combined Competitive Exams**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें /*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

Whatsapp Link- https://wa.link/uwc5lp

Online Order Link- https://bit.ly/3X6MGue

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

	हिन्दी	
क्र.सं.	**अध्याय**	**पेज नं.**
1.	संधि एवं संधि विच्छेद • दिए हुए शब्दों की संधि करना • संधि –विच्छेद करना	1
2.	उपसर्ग • उपसर्गों से शब्दों की संरचना तथा शब्दों में से उपसर्ग एवं मूल शब्द पृथक करना	8
3.	प्रत्यय • दिए हुए प्रत्ययों से शब्द बनाना • शब्दों में से मूल शब्द एवं प्रत्यय पृथक करना	10
4.	पर्यायवाची शब्द	14
5.	विलोम शब्द	17
6.	समश्रुत भिन्नार्थक शब्द • दिए हुए शब्द –युग्म का अर्थ – भेद	27
7.	वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द	37
8.	शब्द शुद्धि	44
9.	वाक्य शुद्धि	51
10.	मुहावरे – • मुहावरों का वाक्य में प्रयोग से अर्थ स्पष्ट	57
11.	कहावत / लोकोक्ति • वाक्य में प्रयोग से अर्थ स्पष्ट	62
12.	पारिभाषिक शब्दावली • प्रशासन से संबंधित अंग्रेजी शब्दों के समानार्थ हिन्दी पारिभाषिक शब्द	67
13.	संक्षिप्तीकरण	78

14.	पल्लवन • किसी सूक्ति , काव्य पंक्ति, प्रसिद्ध कथन आदि का भाव विस्तार	80
15.	पत्र – लेखन एवं प्रारूप – लेखन • सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालय आदेश, अर्द्धशासकीय पत्र, अनुस्मारक • अधिसूचना, निविदा, परिपत्र, विज्ञप्ति	83
16.	अनुवाद • दिए हुए अंग्रेजी अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद	97
17.	निबंध लेखन	97
	English	
1.	Articles & Determiners	103
2.	Prepositions	116
3.	Tenses & Sequence of Tenses	136
4.	Modals	151
5.	Voice - Active & passive	157
6.	Narration – Direct & Indirect	164
7.	Synonyms & Antonyms	169
8.	Phrasal Verbs & Idioms	182
9.	One Word Substitute	188
10.	Word often Confused or Misused	196
11.	Comprehension of an Unseen Passage	198
12.	Translation	210

13.	Precis Writing	216
14.	Paragraph Writing	220
15.	Elaboration of a given theme	223
16.	Letter Writing or Report Writing	226

अध्याय – 1

संधि एवं संधि विच्छेद

- **संधि का अर्थ होता हैं** - मेल और विलोम - विग्रह।
- आपसी निकटता के कारण दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को संधि कहते हैं।

जैसे - हिम + आलय = हिमालय

जगत् + नाथ = जगन्नाथ

निः + धन = निर्धन

संधि विच्छेद- संधि नियमों द्वारा बने शब्दों को तोड़कर पुनः मूल रूप में लाना संधि विच्छेद कहलाता है।

उदाहरण- विद्यार्थी – विद्या+अर्थी

देवागमन- देव+आगमन

संधि के भेद

संधि के प्रथम वर्ण के आधार पर संधि को तीन भागों में बांटा गया है।
संधि का पहला वर्ण यदि स्वर वर्ण (मत+अनुसार=मतानुसार) हो तो स्वर संधि, पहला वर्ण व्यंजन वर्ण (सत्+जन=सज्जन) हो तो व्यंजन संधि और पहला वर्ण यदि विसर्गयुक्त (मनः+योग=मनोयोग) हो तो विसर्ग संधि होती है।

1. स्वर संधि
2. व्यन्जन संधि
3. विसर्ग संधि

I. स्वर संधि

परस्पर स्वर का स्वर के साथ मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं।

जैसे - देव + आलय = देवालय

रमा + ईश = रमेश

एक + एक = एकैक

यदि + अपि = यद्यपि

भौ + उक = भावुक

स्वर संधि के भेद –

i. दीर्घ संधि
ii. गुण संधि
iii. वृद्धि संधि
iv. यण संधि
v. अयादि संधि

i. दीर्घ संधि –

नियम - यदि ह्रस्व या दीर्घ स्वर [अ इ उ] के बाद समान ह्रस्व [अ इ उ] या दीर्घ स्वर आए तो दोनों मिलकर दीर्घ हो जाते हैं।

जैसे-युग् + अन्तर - युगान्तर

युग् अ + अन्तर

युग् आन्तर

युगान्तर

युग् आन्तर

युग् अ + अन्तर

युग + अन्तर

जैसे-हिम + आलय = हिमालय

हिम् आ लय

हिम् अ + आलय

हिम + आलय

जैसे -राम + अवतार = रामावतार

तथा + अपि = तथापि

मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र

(मुनियों में श्रेष्ठ है जो - विश्वामित्र)

कपि + ईश = कपीश

(हनुमान, सुग्रीव)

लघु + उत्तम = लघूत्तम

लघु + ऊर्मि = लघूर्मि (छोटी लहर)

भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व

सु + उक्ति = सूक्ति

कटु + उक्ति = कटूक्ति

चमू + उत्थान = चमूत्थान

(चमू = सेना)

गुरु + उपदेश = गुरूपदेश

वधू + उत्सव = वधूत्सव

(वधू - जिसकी शादी की तैयारियां चल रही हो)

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

विद्या + आलय = विद्यालय

पंच + अमृत = पंचामृत

स्व + अधीन = स्वाधीन

दैत्य + अरि = दैत्यारि

(देवता इन्द्र विष्णु) (अरि- शत्रु या विरोधी)

मुर +अरी= मुरारी (मुर= राक्षस)

सत्य + अर्थी = सत्यार्थी

प्रेरणा + आस्पद = प्रेरणास्पद

प्र + आंगन = प्रांगण

शश + अंक = शशांक (चन्द्रमा) [शश = खरगोश, अंक: गोद]

महती + इच्छा = महतीच्छा

फणी + ईश = फणीश (शेषनाग)

रजनी + ईश = रजनीश (चन्द्रमा)

अ+अ= आ / अ+आ= आ

धर्म + अर्थ = धर्मार्थ

वीर+अंगना =वीरांगना

देव+आलय= देवालय

नव+आगत= नवागत

आ+अ= आ / आ+आ= आ

विद्या+अर्थी= विद्यार्थी

सीमा+अंत= सीमांत

महा+आनंद= महानंद

विद्या+आलय= विद्यालय

इ+इ= ई / इ+ई=ई

रवि+इन्द्र= रवींद्र

अति+इव= अतीव

हरि+ईश= हरीश

परि+ईक्षा= परीक्षा

ई+इ= ई / ई+ई=ई

योगी+इंद्र= योगीन्द्र

मही+इंद्र= महींद्र

नदी+ईश= नदीश

सती+ईश= सतीश

उ+उ=ऊ / उ+ऊ= ऊ

सु+उक्ति= सूक्ति

लघु+उत्तम= लघूत्तम

लघु+ऊर्मि= लघूर्मि

धातु+ऊष्मा= धातूष्मा

ऊ+उ= ऊ / ऊ+ऊ= ऊ

भू+उत्सर्ग= भूत्सर्ग

वधू+उपकार= वधूपकार

वधू+ऊर्मि= वधूर्मि

दीर्घ संधि की पहचान –

दीर्घ संधि युक्त शब्दों में अधिकांशतः आ, ई, ऊ की मात्राएँ आती है और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

शक + अन्धु = शकन्धु
कर्क + अन्धु = कर्कन्धु
पितृ + ऋण = पितृण
मातृ + ऋण = मातृण
} अपवाद

विश्व + मित्र = विश्वामित्र
मूसल + धार = मूसलाधार
मनम् + ईषा = मनीषा
युवत् + अवस्था = युवावस्था
} अपवाद

(ii) गुण संधि -

नियम (1) - यदि अ/आ के बाद इ/ई आए तो दोनों के स्थान पर 'ए' हो जाता है अर्थात्
अ/आ + इ/ई = ए = ऐ

नियम (2) - यदि अ/आ के बाद उ/ऊ आए तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो जाता है अर्थात्
अ/आ + उ /ऊ = ओ = औ

नियम (3) – यदि अ/आ के बाद ऋ आये तो दोनों के स्थान पर 'अर्' हो जाता हैं हो जाता हैं। अर्थात

अ/आ + ऋ = अर्				
	ए	ओ	+ अर्	= गुण
अ	इ	उ	ऋ	
+	+	+	+	
अ	इ	उ	ऋ	
=	=	=	=	
आ	ई	ऊ	x	- दीर्घ

जैसे - गज + इन्द्र = गजेन्द्र

गज् + अ + इन्द्र

गज् एन्द्र

गजेन्द्र

गज् ए न्द्र

गज् अ + इन्द्र

गज + इन्द्र

जैसे - मृग + इन्द्र = मृगेन्द्र (शेर)

रमा + ईश = रमेश

(लक्ष्मी का पति है जो = विष्णु)

सुर + ईश = सरेश

(देवताओं का स्वामी = इन्द्र)

नर + ईश = नरेश (राजा)

पर + उपकार = परोपकार

यथा + उचित = यथोचित (जितना उचित हो)

यथा + इच्छा = यथेच्छा (इच्छानुसार)

पुरुष + उत्तम = पुरुषोत्तम (मनु)

नर + उत्तम = नरोत्तम

कथा + उपकथन = कथोपकथक

गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि

महा + उदय = महोदय

सह + उदर = सहोदर (सगा भाई)

नव + ऊढ़ा = नवोढ़ा (नवविवाहिता)

ऊढ़ा - युवती

राका + ईश = राकेश

(रात का स्वामी = चन्द्रमा)

गुड़ाका + ईश = गुड़ाकेश

(नींद का स्वामी = शिव, अर्जुन)

हृषीक + ईश = हृषीकेश

(इन्द्रियों का स्वामी = विष्णु)

उमा + ईश = उमेश (शिव)

धन + ईश = धनेश (कुबेर)

हृदय + ईश = हृदयेश (कामदेव)

देव + ईश = देवेश (इन्द्र)

महा + इन्द्र = महेन्द्र (शिव)

अपवाद = प्र+ ऊढ = प्रौढ़

अक्ष+ऊहिनी = अक्षौहिणी (विशाल सेना)

ऋ. र् ष् - न्

ण् ↓

जैसे - राम + अयन = रामायण

प्र + मान = प्रमाण

शूर्प + नखा = शूर्पणखा

लक्ष् + मन = लक्ष्मण

जैसे- देव + ऋषि = देवर्षि

देव् + अ + ऋषि

देव् अर् षि

देवर्षि

सप्त + ऋषि = सप्तर्षि

कण्व + ऋषि = कण्वर्षि

ग्रीष्म + ऋतु = ग्रीष्मर्तु

महा + ऋषि = महर्षि

राजा + ऋषि = राजर्षि

ब्रह्म + ऋषि = ब्रह्मर्षि

वर्षा + ऋतु - वर्षर्तु

महा + ऋण = महर्ण

गुण संधि की पहचान –

गुण संधि युक्त शब्दों में अधिकांशतः ए, ओ की मात्राएँ या र् आता है र् और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

(ii) वृद्धि संधि –

नियम (I)- यदि अ/आ के बाद ए/ऐ आए तो दोनों के स्थान पर ऐ हो जाता है अर्थात

अ/आ + ए/ऐ = ऐ

नियम (2)- यदि अ/आ के बाद ओ/औ आए तो दोनों के स्थान पर औ हो जाता है अर्थात्

अ/आ + ओ/औ = औ

ऐ औ – वृद्धि

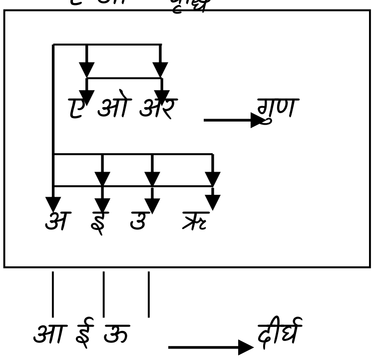

जैसे-

एक + एक = एकैक

एक् अ + एक

एक् ऐ क

एकैक

एक् ऐ क

एक् अ + ए क

एक + एक

सदा + एव = सदैव

अध्याय–2
उपसर्ग

उपसर्ग = उप (समीप) + सर्ग (श्रष्टि करना) का अर्थ है- (किसी शब्द के समीप आकर नया शब्द बनाना)

उपसर्ग के कई नाम –आदि प्रत्यय , व्युत्पत्ति मूलक प्रत्यय, रचनात्मक प्रत्यय

उपसर्ग की परिभाषा – वे शब्दांश , जो किसी शब्द के आरम्भ में लगकर उनके अर्थ में विशेषता ला देते हैं।

जैसे – 'परा'-पराक्रम , पराजय , पराभव, पराधीन, पराभूत

उपसर्ग	शब्द
अति	अत्यन्त, अतिरिक्त, अतिसार
चिर	चिरायु,
सु	सुयोग , सुकर्म, सुगम
अप	अपकीर्ति, अपकार, अपवाद
प्र	प्रख्यात, प्रचार, प्रबल, प्रहार
वि	विज्ञान, वियोग, विवाद
वि	विदेश, विहार, विषाद
उत्	उत्थान, उत्कंठा, उत्कर्ष
उप	उपकार, उपदेश, उपवन
निर्	निर्वाह, निर्मल, निर्धन
प्रति	प्रत्युत्पन्नमति, प्रतिनिधि, प्रतिध्वनि
अ	अस्पृश्य, अमोल, अपढ़
आ	आगमन, आकाश, आदान
नि	निबंध, निवास, निदान
प्रति	प्रतिकूल, प्रतिकार, प्रतिदिन
अति	अतिचार, अतिरिक्त, अतिशय
अ	अव्यवस्था, अमोल, अजान
परि	परिजन, परिहार, परिणाम

प्रयोग		उपसर्ग		शब्द
सदाचार	=	सत्	+	आचार
दुराचार	=	दुर्	+	आचार
अध्यक्ष	=	अधि	+	अक्ष
पराजय	=	परा	+	अजय
समादर	=	सम्	+	आदर
अत्युक्ति	=	अत	+	उक्ति
निबंध	=	नि	+	बंध
परिजन	=	परि	+	जन
उनतीस	=	उन	+	तीस
प्रत्युपकार	=	प्रति	+	उप+कार
अनुशासन	=	अनु	+	शासन
प्रख्यात	=	प्र	+	ख्यात
संरक्षण	=	सम्	+	रक्षण
अधखिला	=	अध्	+	खिला
दुकाल	=	दु	+	काल
अत्यधिक	=	अति	+	अधिक
अध्यक्ष	=	अधि	+	अक्ष
उल्लास	=	उत्	+	लास
दुर्जन	=	दुः (दुर्)	+	जन
दुष्चरित	=	दुः (दुष्)	+	चरित्र
निर्भय	=	निः	+	भय
संतोष	=	सम्	+	तोष
संहार	=	सम्	+	हार
अभ्यास	=	अभि	+	आस

उपसर्ग	कुछ प्रमुख शब्द
अनु	अनुकरण, अनुगमन, अनुशीलन, अनुसार
उप	उपकार, उपवन, उपना , उपभेद, उपनेत्र
नि	निकेत, निष्कपट, नियुक्त, निहत्था, निकम्मा
परा	पराजय, पराकाष्ठा, पराभाव, परामर्श
प्रति	प्रतिदिन, प्रतिमान, प्रतिशत, प्रतिघात
खुश	खुशबू, खुशकिस्मत, खुशहाल,
ना	नाउम्मीद, नाचीज, नालायक
हम	हमउम्र, हमशक्ल, हमदर्द
बे	बेशक, बेशकीमती, बेअक्ल।
नेक	नेकचलन, नेकनीयत, नेकनाम
प्र	प्रमेय, प्रक्रम, प्रमाद।
अभी	अभिमुख, अभिभूत, अभिनव
प्रति	प्रतिवादी, प्रतिघात, प्रतिबन्ध
उप	उपसमिति, उपनेत्र, उपभेद।

	राधा	राधेय
आयन	दंड नार कात्य	दंडायन नारायण कात्यायन
अ	यदु दनु अदिति	यादव दानव आदित्य
इ	वाल्मीक दशरथ	वाल्मीकि दशरथी
य	पुलस्ति चतुर्मास	पौलस्त्य चातुर्मास्य
आमह	पितृ मातृ	पितामह मातामह
ई	पर्वत गांधार	पार्वती गांधारी

5) <u>ऊनतावाचक / लघुतावाचक / हीनतावाचक तद्धित प्रत्यय</u> – वे प्रत्यय जो किसी संज्ञा शब्दों के साथ जुड़कर उनके छोटे/लघु रूप का बोध कराते है, ऊनतावाचक / लघुतावाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते है।

प्रत्यय	मूलशब्द	तद्धितान्त
इया	बिंदी खाट लाठा	बिंदिया खटिया लठिया
ई	रस्सा प्याला हथोड़ा थाल	रस्सी प्याली हथोड़ी थाली
आ	लालू कालू	लालुआ कलुआ
री	कोठा मोट बांस	कोठारी मोटरी बाँसुरी
ली	खाज ढ़प टीका	खुजली ढ़पली टिकली
डी	टांग	टँगड़ी
	पंख आंत	पंखड़ी आंतड़ी
डा	मुख लँग चाम	मुखड़ा लंगड़ा चमड़ा
सा	लाल थोड़ा छोटा उड़ता	लालसा थोड़ासा छोटासा उड़तासा
ओला	घड़ा सांप गढ़	घड़ोला सँपोला गढ़ोला
वा	बच्चा पुर	बचवा पुरवा

6) <u>स्त्रीबोधक तद्धित प्रत्यय</u> – वे प्रत्यय जो किसी संज्ञा के अंत मे जुड़कर स्त्री जाति का बोध कराते है,

अर्थात पुल्लिंग से स्त्रीलिंग शब्दों का निर्माण करते है,

स्त्रीबोधक तद्धित प्रत्यय कहलाते है।

प्रत्यय	मूल शब्द	तद्धितान्त
इन	नाग पड़ोसी	नागिन पड़ोसिन
नी	ऊंट मोर	ऊंटनी मोरनी
ई	घोड़ा टोकरा	घोड़ी टोकरी
	देव	देवी
आनी	ठाकुर सेठ	ठकुरानी सेठानी
आ	छात्र सुत	छात्रा सुता
इया	कुत्ता बंदर	कुतिया बंदरिया

2. <u>कृदंत प्रत्यय</u> – जब किसी क्रिया या मूलधातु के साथ प्रत्यय का प्रयोग किया जाता है और वह कर्ता के अर्थ का बोध कराए, कर्तावाचक कृदंत प्रत्यय कहलाता है।

कृत या कृदंत प्रत्यय 5 प्रकार के होते है।

1. कर्ता वाचक
2. कर्म वाचक
3. करण वाचक
4. भाव वाचक

80. **भृति** – मज़दूरी, मूल्य, वेतन।
81. **भेद** – राज़, प्रकार, फूट।
82. **भोग** – भाग्य, खाना, सहना।
83. **मत** – नहीं, राय, संप्रदाय।
84. **मधु** – शराब, शहद, एक राक्षस, मधु ऋतु (वसंत)।
85. **मूल** – जड़, आधार, असल धन।
86. **रस** – जड़, निचोड़, खट्टा-मीठा आनंद।
87. **रश्मि** – किरण, लगाम की रस्सी।
88. **वर** – वरदान, दूल्हा, श्रेष्ठ।
89. **वर्ण** – रंग, अक्षर, ब्राह्मण आदि चार वर्ण।
90. **वास** – निवास, घर, सुगंध।
91. **वंश** – गन्ना, बाँस, खानदान, समूह।
92. **विधि** – रीति, ब्रह्मा, भाग्य, ईश्वर।
93. **सूर** – सूर्य, सूरदास एक कवि, अंधा व्यक्ति, शूरवीर।
94. **सारंग** – मोर, साँप, बादल, हिरण।
95. **निशाचर** – राक्षस, उल्लू, चोर।
96. **स्नेह** – प्रेम, तेल, चिकनाहट, कोमलता।
97. **श्रुति** – वेद, कान।
98. **स्कंध** – कंधा, पेड़ का तना, ग्रंथ का भाग।
99. **श्री** – शोभा, लक्ष्मी, धनवैभव, संपत्ति।
100. **हरि** – सूर्य, विष्णु, इंद्र, सिंह।
101. **हर** – शिव, चुरा लेना।
102. **हल** – खेत जोतने का यंत्र, समाधान, उत्तर।
103. **हंस** – एक पक्षी, अश्व, ब्रह्मा, प्राणवायु, जीवात्मा।
104. **हार** – फूलों की माला, हारना।
105. **कला** – ढंग, उपाय, गुण, कला (आर्ट) विषय।
106. **कक्ष** – कमरा, बगल।
107. **कक्षा** – छात्रों की श्रेणी, समूह।
108. **कुंडल** – कान की बाली, साँप का कुंडली मारकर बैठना।
109. **कुटिल** – दुष्ट, घुंघराला, टेढ़ा।
110. **खग** – पक्षी, आकाश।
111. **गण** – छंद का अंग, समूह, भूत।
112. **गति** – दशा, चाल।
113. **मित्र** – साथी, सूर्य।
114. **रंग** – प्रेम, दशा, वर्ण

<u>समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द</u>

हिंदी भाषा में कुछ ऐसे शब्द होते हैं, जिनका उच्चारण एक समान प्रतीत होता है, परंतु उनमें सूक्ष्म अंतर होता है और अर्थ बिल्कुल भिन्न होता है। जैसे – पुरुष, परुष इनका उच्चारण तो लगभग एक ही जैसा है, परंतु अर्थ (पुरुष – मर्द, परुष – अप्रिय) बिल्कुल भिन्न है। इसी तरह के कुछ शब्द नीचे दिए जा रहे हैं।

- अंश – भाग, हिस्सा
- अंस – कंधा
- अनल – आग
- अनिल – वायु
- अचल – पर्वत
- अचला – पृथ्वी
- अकार – 'अ' अक्षर
- आकार – रूप-रेखा
- अजात – न पैदा हुआ
- अज्ञात – न जाना हुआ
- अवधि – सीमा
- अवधी – अवध की भाषा

<u>शब्द युग्म</u>

कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनका उच्चारण एक समान होता है, लेकिन उनके अर्थ में भेद होता हैं । इन्हें श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द अथवा युग्म शब्द अथवा सोच्चारिप्राय भिन्नार्थक शब्द कहते हैं। इनके उदाहरण

शब्द			अर्थ
1.	अम्ब	-	माता, आम
	अंबु	-	अंभ, जल
2.	अंत्य	-	नीच,
	अंतिम	-	अंत, समाप्ति
3.	अंश	-	हिस्सा,
	अंस	-	कंधा
4.	अँगना	-	आँगन,
	अंगना	-	स्त्री
5.	अंधकारि	-	शिव
	अंधकारी	-	भैरव राग की एक स्त्री
6.	अंबुज	-	कमल
	अंबुधि	-	सागर
7.	अविराम	-	लगातार,
	अभिराम	-	सुन्दर
8.	अनल	-	आग
	अनिल	-	हवा
9.	अणु	-	कण
	अनु	-	पीछे

10.	अन्न	-	अनाज
	अन्य	-	दूसरा
11.	अशन	-	भोजन
	आसन	-	बैठने की वस्तु
12.	अवध्य	-	जो वध के योग्य न हो
	अवंध	-	निन्दनीय
13.	अवदान	-	निर्मल, सफेद
	उदात्त	-	ऊँचा
14.	आवृत्ति	-	बेकारी
	आवृत्ति	-	दुहराना
15.	अपेक्षा	-	इच्छा, तुलना में
	उपेक्षा	-	निरादर
16.	अपथ्य	-	जो बीमार के अनुकूल न हो
	अपत्य	-	संतान
17.	अन्तराय	-	विघ्न
	अन्तराल	-	बीच की फाँक
18.	अतुल	-	जिसकी तुलना न हो सके
	अतल	-	गहरा
19.	अनिष्ठ	-	निष्ठाहीन
	अनिष्ट	-	बुराई
20.	अवलम्ब	-	सहारा
	अविलम्ब	-	शीघ्र
21.	अश्व	-	घोड़ा
	अश्य	-	पत्थर
22.	अचर	-	न चलने वाला
	अनुचर	-	नौकर
23.	अशक्त	-	असमर्थ
	आसक्त	-	विरक्त

24.	अलीक	-	झूठ
	अलिक	-	ललाट
25.	अन्योन्य	-	परस्पर
	अन्यान्य	-	दूसरा-दूसरा
26.	अजर	-	जो बूढ़ा न हो
	अजिर	-	आँगन
	अचिर	-	जल्दी
27.	अघ	-	पाप
	अग	-	अचल, सूर्य
28.	अगम	-	अगम्य
	आगम	-	शास्त्र, प्राप्ति
29.	अमित्र	-	शत्रु
	अमात्य	-	मंत्री
	अमित	-	अत्यधिक
30.	उभय	-	दोनों
	अभय	-	निर्भय
31.	अवधूत	-	संन्यासी
	अधूत	-	निर्भय
32.	अवधी	-	एक भाषा
	अवधि	-	समय
33.	अलि	-	भौंरा
	अली	-	सखी
34.	यक्ष	-	एक देवजाति
	अक्ष	-	धुरी
35.	अधर्म	-	पाप
	अधम	-	नीच
36.	अभिज्ञ	-	जानने वाला
	अनभिज्ञ	-	अनजान

अध्याय – 15

पत्र – लेखन एवं प्रारूप लेखन

दूर स्थित अपने परिचित लोंगो से सम्बन्ध स्थापित करने के लिए अथवा विचार - विमर्श करने के लिए पत्राचार एक महत्वपूर्ण साधन हैं। दूर रहने वाले अपने परिचितों, सगे - सम्बन्धियों, व्यापारियों, समाचार - पत्र के सम्पादकों, सरकारी – गैर सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों से सम्पर्क स्थापित करने अथवा सूचना प्राप्त करने के लिए पत्राचार का विशेष महत्त्व हैं। पत्र विविध प्रकार के होते हैं और उनके लिखने का स्वरूप भी अनेक प्रकार का होता हैं। अतः सभी प्रकार के पत्रों को लिखने का सम्यक् तरीका जानना आवश्यक होता हैं। इन सबका परिचय और नमूना नीचे दिया जायेगा।
मोटे रूप में पत्रों के दो भेद होते हैं -
(क) सामान्य पत्र
(ख) कार्यलयीय पत्र

(क) सामान्य पत्र
इस प्रकार के पत्रों के अन्तर्गत अपने सगे - सम्बन्धियों को लिखे गये पत्र, विवाह में उपस्थित होने के लिए आमंत्रण, किसी शुभ कार्य में उपस्थित होने के लिए पत्र, बधाई संदेश आदि आते हैं।
(1) पारिवारिक या घरेलू पत्र
(2) सामाजिक पत्र।

(1) पारिवारिक या घरेलू पत्र -
ऐसे पत्रों के माध्यम से हम दूर स्थित अपने सगे - सम्बन्धियों, परिवार के सदस्यों से निकट का सम्बन्ध स्थापित करते हैं। पारिवारिक पत्र लिखते समय निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए:-
(1) पत्र लिखते समय शुरू में कागज के ऊपरी सिरे के दाहिनी ओर प्रेषक पूरा पता और पत्र भेजने का दिनांक लिखना चाहिए।
(2) जहाँ पर दिनांक दिया गया हैं उसकी सीध में बाएँ हाथ की ओर हाशिया (कागज का चौथाई भाग) छोड़ने के बाद सम्बोधन शब्द लिखना चाहिए और उसके बाद अल्पविराम का चिन्ह लगाना चाहिए।
(3) अल्पविराम (कॉमा) के ठीक नीचे अभिवादन शब्द (नमस्कार, प्रणाम आदि) लिखकर पूर्ण विराम लगाना चाहिए। उसके बाद उसके नीचे से पत्र का वर्ण्य - विषय लिखना शुरू करना चाहिए।
विविध सम्बन्धों के अनुसार यथा योग्य सम्बोधन - शब्द, अभिवादन - शब्द एवं समापन शब्द लिखना चाहिए। इससे सम्बन्धित एक तालिका नीचे दी जा रही हैं -

सम्बन्ध-शब्द	सम्बोधन - शब्द	अभिवादन - शब्द	समापन
माता - पुत्र	प्रिय राजेन्द्र,	सुखी रहो, प्रसन्न रहो	तुम्हारी शुभाकांक्षिणी
पिता-पुत्र	प्रिय मोहन,	स्नेहाशीष या प्रसन्न रहो	तुम्हारा शुभाकांक्षी या शुभाशीष
माँ-पुत्री	प्रिय प्रभा,	सुखी रहो या प्रसन्न रहो	तुम्हारी शुभाकांक्षिणी
पिता - पुत्री	प्रिय विभा,	सुखी रहो	शुभाकांक्षी
पुत्र - पिता	पूज्य पिता जी,	सादर प्रणाम	आपका स्नेहाकांक्षी
पुत्री - पिता	पूज्य पिता जी,	सादर प्रणाम	आपकी स्नेहाकांक्षिणी
पुत्र - माता	पूज्यनीय माता जी	सादर प्रणाम	आपका स्नेहाकांक्षी
पुत्री - माता	पूज्यनीय माता जी	सादर प्रणाम	आपकी स्नेहाकांक्षिणी
बड़ा - भाई	प्रिय प्रदीप,	स्नेहाशीष	तुम्हारा शुभाकांक्षी
छोटा भाई-बड़ा भाई	पूज्य भाई साहब	सादर प्रणाम	आपका स्नेहाकांक्षी
छोटी बहन-बड़ी बहन	पूजनीय दीदी,	सादर प्रणाम	आपकी स्नेहाकांक्षिणी
पति-पत्नी	प्रिय, प्रिये	शुभाशीष	मधुर प्यार
पत्नी-पति	मेरे प्राणधन या प्रियतम	सादर प्रणाम / मधुर स्मृति	तुम्हारी स्नेहाकांक्षिणी
गुरु - शिष्य	प्रिय रामनाथ,	शुभाशीष	तुम्हारा शुभेच्छु
शिष्य - गुरु	श्रद्धेय गुरुदेव	सादर प्रणाम	आपका स्नेहाकांक्षी
मित्र - मित्र	बन्धुवर वीरेन्द्र,	नमस्कार	तुम्हारा प्रिय भाई आपका
अपरिचित-अपरचित	प्रिय महोदय	नमस्कार	भवदीय

(4) अभिवादन शब्द के पश्चात् पत्र लिखना शुरू किया जाता हैं। पत्र कई प्रकार से शुरू किये जाते है, जैसे - आपने लिखा हैं कि ....'आज ही आपका पत्र मिला हैं..........' 'आपका पत्र मिला', 'कई महीनों से तुम्हारे समाचार नहीं मिले आदि।
ऐसे वाक्यों के बिना भी पत्र लिखना शुरू किया जा सकता हैं। अलग-अलग बातों को सुविधानुसार अलग-अलग अनुच्छेदों में लिखना चाहिए। पत्र की भाषा सरल होनी चाहिए।

(5) अंतिम अनुच्छेद में प्रेषिती के साथ रहने वाले अन्य खास लोगों के नाम का उल्लेख किया जा सकता हैं, तथा साथ ही उनके प्रति अभिवादन - शब्द भी लिखना चाहिए । अंत में समापनपरक वाक्य लिखने की भी प्रथा हैं - जैसे - 'आशा है आप स्वस्थ एवं सानन्द होंगे,' 'आशा है तुम अच्छी तरह से हो' आदि ।

(6) अंत में समापन - शब्द लिखना चाहिए और उसके नीचे हस्ताक्षर करना चाहिए ।

(7)प्रेषिती का पता कार्ड अथवा लिफाफे पर इस प्रकार लिखना चाहिए –

प्रेषिती;

श्री अलख निरंजन त्रिपाठी

बी. 21/109 ए, मातृ - मन्दिर,

कमच्छा,

वाराणसी - ।

(उ.प्र.)

पारिवारिक पत्रों के नमूने

(1) पिता का पत्र पुत्र को -

54, गुरुधाम कॉलोनी

वाराणसी

दिनांक 5-5-77प्रिय राजू,

स्नेहाशीष !

तुम्हारा पत्र मिला । पढ़कर बड़ी प्रसन्नता हुई कि तुम्हारी वार्षिक लिखित परीक्षा समाप्त हो गयी और तुमने परीक्षा में प्रश्नों का उत्तर अच्छी तरह लिखा हैं । शीघ्र ही तुम्हारी प्रयोगात्मक परीक्षा भी हो जायेगी । इसके बाद तुम लखनऊ होते हुए घर चले आओ ।

यहाँ इस समय गर्मी अधिक पड़ रही हैं । तुम्हारी माँ की ओर से शुभाशीर्वाद एवं अर्चना का सादर प्रणाम ।

आशा है तुम प्रसन्न और स्वस्थ हो ।

तुम्हारा

परमेश्वर दयाल

(2) छोटे भाई का पत्र बड़े भाई को -

25, विजयग्राम

कालनी,

नयी बस्ती, वाराणसी

दिनांक 15-5-77

पूज्य भाई साहब

सादर प्रणाम !

आपका पत्र मिला । इस समय भीषण गर्मी पड़ रही हैं । यदि आप किसी पर्वतीय स्थान पर चलने का कार्यक्रम बनाएँ तो बड़ा ही सुन्दर होगा । मेरी वार्षिक परीक्षा भी समाप्त हो गयी हैं । गर्मी से मन ऊब गया हैं । आशा हैं, आप शीघ्र ही उत्तर देंगे ।

भाभी जी को सादर प्रणाम एवं बबलू को स्नेहाशीष ।

आशा हैं आप सब स्वस्थ एवं प्रसन्न हैं ।

आपका स्नेहाकांक्षी,

प्रदीप

(3) मित्र का पत्र मित्र को -

उप - जिलाधिकारी

न्यायालय, पटना

दिनांक 2-12-77

बन्धुवर सुरेश,

नमस्कार !

आपका पत्र विलम्ब से मिला, क्योंकि विगत सप्ताह मैं बाहर चला गया था । आपने मेरा वह काम नहीं किया कोई बात नहीं। आपका काम तो मैंने बहुत पहले ही कर दिया था, जिसकी सूचना शीघ्र ही आपके पास आती होगी ।

मेरे पास अर्थशास्त्र की कुछ अच्छी पुस्तकें पड़ी हैं । यदि राममोहन चाहे तो उन्हें मुझसे ले सकता हैं ।

आशा है आप प्रसन्न हैं ।

आपका

त्रिभुवन त्रिवेदी

(4) अपरिचित का पत्र अपरिचित को -

हिन्दी-विभाग

काशी हिन्दू
विश्वविद्यालय

वाराणसी - 5

दिनांक 7-7-77

प्रिय महोदय

नमस्कार !

आपको यह जानकर हर्ष होगा कि हमारे विश्वविद्यालय के 'हिन्दी-विभाग ने हिन्दी भाषा की समस्याएँ एवं समाधान'

Chapter –3

Tenses and Sequence of Tense

Time (समय) और Tense (काल) दोनों ऐसे शब्द हैं जिनमें संबंध होते हुए भी अंतर है।
Time का प्रयोग सामान्य अर्थ में होता है, जबकि Tense का प्रयोग विशेष अर्थ में Verb के form का निरूपण करने के लिए किया जाता है। चलिए नीचे दिए गए उदाहरणों पर हम लोग विचार करते हैं –

1. Veena goes to the market every Sunday.
2. The plane takes off at 5 p.m. tomorrow.
3. He had no money yesterday.

उदाहरण (1) में Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है। लेकिन इससे Past, Present, और Future तीनों का बोध होता है, वीणा Past time में प्रत्येक रविवार को जाती है और आशा है कि Future time में भी प्रत्येक रविवार को जाएगी।
उदाहरण (2) में स्पष्ट होता है कि प्लेन (plane) कल 5 बजे शाम को प्रस्थान करेगा। इस वाक्य में भी Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है, लेकिन इससे future time का बोध होता है।
उदाहरण (3) में Simple Past Tense का प्रयोग किया गया है, तथा इससे past time का बोध होता है।
ऊपर दिए गए उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि Verb के Present Tense में रहने पर भी इस पर Present, Past और Future Time का बोध होता है।
अत; Verb के Tense तथा इसके प्रयोग को सावधानी से समझने की जरूरत है सर्वप्रथम एक प्रश्न उठता है कि Tense क्या है? इस प्रश्न का उत्तर इस प्रकार है :-
Tense : कार्य के समय के मुताबिक Verb के रूप में जो परिवर्तन होता है, उसे Tense कहते हैं।

Kinds of Tense

1. Present Tense (वर्तमान काल)
2. Past Tense (भूतकाल)
3. Future Tense (भविष्य काल)

1. Present Tense : किसी कार्य के वर्तमान समय में होने या करने जैसे- हो रहा है, हो चुका है, या हो गया है तथा एक लंबे समय से होता रहा है, का बोध हो तो उसे Present Tense कहते हैं।
दूसरे शब्दों में - An action which is done at the present time. जैसे -
1.I read a book
मैं पुस्तक पढ़ता हूँ ।
2.I am reading a book
मैं पुस्तक पढ़ रहा हूँ ।
3.I have read a book
मैं पुस्तक पढ़ चुका हूँ।
4.I have been reading a book for an hour
मैं दो घंटे से पुस्तक पढ़ता रहा हूँ।

2.Past Tense : किसी कार्य के बीते हुए समय में होने या करने, हो रहा था, हो चुका था, या हो गया था तथा एक लंबे समय से होता रहा था का बोध हो, तो उसे Past Tense कहते हैं।
दूसरे शब्दों में- An action which is done at the Past time. जैसे -
1.I wrote a letter.
मैं पत्र लिखता था या मैंने पत्र लिखा।
2.I was writing a letter.
मैं पत्र लिख रहा था।
3..I had written a letter.
मैं पत्र लिख चुका था या मैंने पत्र लिखा था
4.I had been writing a letter for two days.
मैं दो दिनों से पत्र लिख रहा था

3. Future Tense : किसी कार्य के आने वाले समय में होने या करने जैसे-हो रहा होगा, होता रहेगा, हो चुका होगा या हो गया होगा तथा एक निश्चित समय से होता आ रहा होगा का बोध हो, उसे Future Tense कहते हैं। जैसे -
1. I shall write a letter.
मैं पत्र लिखूंगा।
2. I shall be writing later.
मैं पत्र लिख रहा हूंगा।
3. I shall have written a letter.
मैं पत्र लिख चुका हूंगा।
4. I shall have been writing a letter.
मैं पत्र लिखता आ रहा होऊंगा।
उपयुक्त उदहारण से यह स्पष्ट होता है कि Present, Past तथा Future Tense के भी चार -चार उपभेद होते हैं।

1. Present Tense
Present Tense के चार उपभेद होते हैं।
1. Present Indefinite Tense /Simple Present Tense (सामान्य वर्तमान काल)
2. Present Continuous / Progressive Tense (अपूर्ण वर्तमान काल / तात्कालिक वर्तमान काल)
3. Present Perfect Tense(पूर्ण वर्तमान काल)
4. Present perfect continuous tense (पूर्णापूर्ण वर्तमान काल / पूर्ण तात्कालिक वर्तमान काल)

1. Simple Present Tense
पहचान- हिन्दी वाक्यों के अंत में ता है, ती है, ते हैं, ता हूँ आदि शब्द आते है ।
Structure :
Positive tense :-

Subject +main verb +s/es+Object

Ex-Ram reads books.

Note:- अगर subject singular है (जैसे- he, she, it या किसी व्यक्ति का नाम) तो verb की first form में s या es प्रयोग करेंगें ।

Negative:-

Subject+do/does+not+main verb+Object

Ex- Ram does not read books.

Interrogative:-

Ist type:-

Do/does+subj+not+main verb+Object+?

2nd type :-WH words + Ist type

Ex- Does ram read books?

note:-यदि subject एकवचन(He ,She ,It ,name) होगा तो main verb में s या es लगायेंगे और अगर subject बहुवचन(you ,we,they) होगा तो main verb में s या es नहीं लगायेंगे ।

जैसे :-

ram **reads** books.

they **read** books.

Rule (1): Simple Present Tense का प्रयोग habitual, or regular or repeated action (नियमित या स्वाभाविक कार्य) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे -

Mukesh goes to bed at 10 P.M.

He always comes here on Sunday.

She reads a newspaper every morning.

He takes tea without sugar.

We work eight hours a day.

I live at Mahendru.

Shweta and Anshu are girls.

I get up at 6 a.m. every morning.

Note : सामान्यत: Time expressing Adverbs (समय सूचक क्रिया विशेषण) जैसे -

always, often, sometimes, generally, usually, occasionally, rarely, seldom, never, hardly, scarcely, habitually, daily, everyday, every night, every morning, every evening, every week, every month, every year, once a week, once a day, once a month, twise a day, twice a week, twice a month आदि का प्रयोग habitual, or regular or repeated action को express करने के लिए किया जाता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि उपरोक्त Adverbs का प्रयोग होने पर Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे-

He always comes here at night.

He generally comes here at night.

He usually comes here at night.

He sometimes comes here at night.

He often comes here at night.

He rarely comes here at night.

He seldom comes here at night.

He never comes here at night.

Rule (2) : इस Tense का प्रयोग Universal truth (सार्वभौमिक सत्य) principal (सिद्धांत) permanent activities (स्थायी कार्य) को express(अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

The sun rises in the east.

Two and two makes four.

Man is mortal.

Water boils at 100°C.

The Ganges springs from the Himalayas.

Rule (3) : इस Tense का प्रयोग possession (अधिकार) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

This pen belongs to me.

I have a car.

He owns a big building.

Rule (4) : इस Tense का प्रयोग mental activity (मानसिक क्रिया कलाप), emotions तथा feelings को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे :-

Note : notice, recognise, see, hear, smell, appear, want, wish, desire, feel, like, love,hate, hope, refuse, prefer, think, suppose, believe, agree, consider, trust, remember, forget, know, understand, imagine, means, mind etc. का प्रयोग mental activity express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। अत : इन सारे Verbs का प्रयोग Simple Present Tense में होता है ।

Rule (5) : Simple Present Tense का प्रयोग आने वाले समय में होने वाले सुनियोजित कार्यक्रम (fixed programme) तथा सुनियोजित योजना (fixed plan) को (express) (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। इससे future time का बोध होता है। जैसे -

The college reopens in October.

कॉलेज पुन: अक्टूबर को खुलेगा।

He goes to Chennai next month.

वह अगले महीने चेन्नई जाएगा।

She leaves for New York next Monday.

अगले सोमवार को न्यूयॉर्क के लिए प्रस्थान करेगी।

The prime minister comes here tomorrow.

6) Your teacher is teaching chapter '5'.

Note : now, at present, at the moment, this morning, currently, this evening. आदि समय सूचक शब्दों का प्रयोग Present Continuous Tense में होता है जैसे -

1) Mr. Jha is teaching mathematics at present.
2) He is reading a novel now.
3) She is knitting a sweater at the moment.
4) They are washing the plates this morning.

Rule (2) : इस Tense प्रयोग वैसे अस्थायी कार्य (temporary action) के लिए होता है, जो बोलने के वक्त नहीं हो रहा है लेकिन उपयुक्त समय के आस-पास या इन दिनों वह कार्य जारी है। जैसे -

1) I am living in a rented house.
2) He is reading the Mahabharata.
3) She is studying physics these days.

ऊपर दिए गए वाक्यों में क्रिया का संपादन बोलने के वक्त नहीं हो रहा है, बल्कि उपयुक्त समय के आस-पास या आजकल हो रहा है।

Rule (3) : इस Tense का प्रयोग nearest future (निकट भविष्य) के fixed programme or plan (निश्चित कार्यक्रम या योजना) के लिए होता है जैसे -

1) He is going to Chennai tonight.
2) She is going home tomorrow.
3) I am leaving for Patna next month.
4) My brother-in-law is coming tomorrow.
5) She is singing this evening.

Note : इस तरह के वाक्यों में Future time का बोध होता है, तथा Adverb of time- tonight, tomorrow, next day, next night, next month next week, next morning, this morning, this evening, 5 o'clock, 5 a.m., 6 p.m. etc. का प्रयोग निश्चित रूप से रहता है।

Rule (4) : इस Tense का प्रयोग intention (इरादा) or likelihood (संभावना) का बोध कराने के लिए होता है तथा इससे future time के भाव का बोध होता है। जैसे -

Ex1- I am going to see my father -in -law. (Intention)

Ex2-He is going to die. (Likelihood)

Rule (5) : present continuous tense. see, here, smell, notice, recognize, taste,appear, seem, look,love, hate, abhor,despise, hope, doubt,admit, accept, refuse, deny, prefer, regard, satisfy,want, wish, desire, intend, please, displease, mean, suppose, think, imagine, presuppose,recall, recollect, remember, forget, believe, know, trust, own, posses, have, belongs to, keep, consist of, content, comprise, include, involve, equal, cost, deserve, depend, fit, lack, require, resemble, need, dare, sound, ...etc.

जैसे -

1) She is knowing him very well. (×)
She knows him very well. (✓)

2) He is understanding it. (×)
He understands it. (✓)

3) I am feeling that you are right. (×)
I feel that you are right. (✓)

4) She is owning a scooter. (×)
She owns a scooter. (✓)

5) She is having a handsome husband. (×)
She has a handsome husband. (✓)

6) The pot is containing in water. (×)
The pot contains water. (✓)

उपरोक्त Verbs का प्रयोग Simple Present Tense में होता है। विशेष अर्थ में इनमें से कुछ Verbs का प्रयोग Simple Tense में होता है।

<u>इन प्रयोगों का सावधानी से अध्ययन करें :</u>

1.(a) Feel का प्रयोग 'महसूस करने' के अर्थ में होने पर, इसका प्रयोग Simple Tense में होता है **जैसे** -

Ex1-Now he feels that why he did not get 80% marks.

(अब वह महसूस करता है कि वह क्यों नहीं 80% अंक प्राप्त किया)

Ex2-I feel that he will be a great man.

(मैं महसूस करता हूँ कि वह एक महान व्यक्ति बनेगा)

(b) Feel का प्रयोग think (सोचना / विचार करना) के अर्थ में होने पर, इसका Simple Present Tense में प्रयोग होता है जैसे -

I feel you are right.

(c) Feel के बाद Adjectives- angry, pleased, happy, sad, hot, cold, tense, relaxed, nervous, confident, etc. का प्रयोग Subject के इमोशन, physical or mental condition को indicate (इंगित /सांकेतिक /निर्दिष्ट) करने के लिए हो, तो इसका प्रयोग Simple Present Tense में होता है लेकिन continuous tense में भी किया जा सकता है। जैसे -

Q. How do you feel?
A. I feel better.
Q. How are you feeling?
A. I am feeling better.

4.Future Perfect Continuous Tense:-

1. हिन्दी पहचान - सामान्यतः हिन्दी वाक्यों के अंत में से रहा होगा, से रही होगी, से रहे होंगे, आदि शब्द आते हैं।
2. Adverbials - Since / For + time + future fact
3. Helping verb - इस Tense में **I** तथा **We** के साथ Shall Have Been तथा अन्य कर्ताओं के साथ Will Have Been का प्रयोग करते हैं।
4. Main verb - इस Tense में M.V की Ist Form + ing का प्रयोग करते हैं।

Simple Sentence:-

Formula - Subject + Shall / Will + Have + Been + M.V Ist + ing + Object + Since / For + time + Etc.

Ex -

1. सितारे छः बजे से आकाश में चमक रहे होंगे।
The stars will have been shining in the sky since 6 o' clock.
2. राधा दस बजे से एक सुन्दर गीत गा रही होगी।
Radha will have been singing a sweet song since 10 o' clock.
3. श्याम दो घंटे से संगीत सुन रहा होगा।
Shyam will have been listening music for two hours.

Negative Sentence:-

Formula - Subject + Shall /Will + Not + Have Been + M.V Ist + ing + Object + Since / For + Time + Etc.

Ex -

1. वह छः महीने से फैक्ट्री में कार्य नहीं कर रहा होगा।
He will not have been working in the factory for six months.
2. बच्चा सुबह से कमरे में नहीं रो रहा होगा।
The Baby will not have been weeping in the room since morning.
3. वह अप्रैल से अपना बिजनैस नहीं चला रहा होगा।
He will not have been running his business since April.

Interrogative Sentence:-

(A)Will /Shall + Subject + Have Been + M.V Ist + ing + Object + Since / For + Time + Etc.?

(B) Wh Word + Will /Shall + Subject + Have Been + M.V Ist + ing +Object + Since /For + Time + Etc.?

Ex -

1. बंदर एक घंटे से क्यों लड रहे होंगे?
Why will the monkies have been fighting for one hour?
2. क्या राहुल एक घंटे से छत पर पतंग उड़ा रहा होगा?
Will Rahul have been flying the kite on the roof for one hour?
3. क्या लोग सुबह से पार्क में टहल रहे होंगे?
Will the people have been walking in the park since morning?

Interrogative Negative Sentence:-

(A)Will / Shall + Subject + Not + Have Been + M.V Ist + ing + Object + Since / For + Time + Etc.?

(B) Wh Word + Will / Shall + Subject + Not + Have Been + M.V Ist + ing + Object + Since / For + Time + Etc.?

Ex -

1. वह कई दिन से उस लड़के से बात नहीं कर रहा होगा?
Why will he not have been talking to that boy for many days?
2. क्या गाँव में दो घंटे से बरसात नहीं हो रही होगी?
Will it not have been raining in the village for two hours?
3. पुलिस सोमवार से चोर का पीछा क्यों नहीं कर रही होगी?
Why will police not have been running after the thief since Monday?

- **Sequence of Tense**

किसी वाक्य में subordinate clause की क्रिया के tense निर्धारिण करनें वाले सिद्धांत या नियमों Sequence of tense कहा जाता है।

नियम-1. Principal Clause की Verb का Tense यदि present या future में हो ,तो Subordinate Clause की Verb ,वाक्य के भाव के अनुसार किसी भी Tense में हो सकती है ;जैसे

(a) Ram says that he learns his lesson daily.
(b) He thinks that he wrote a book.
(c) He thinks that he will learn his lesson daily.
(d) He will think that he writes a letter.

परंतु यदि Subordinate Clause में कोई Purpose या Condition हो ,तो उसमें Present Tense ही आएगा :- जैसे-

(a) I work hard so that I may pass.
(b) We shall work hard so that we may pass.
(c) We eat so that we may live.

EXCEPTIONS

(i) यदि Subordinate Clause, 'if, till, as soon as, when, unless, before, until, even if और as ' इत्यादि

से शुरू हो एवं principal clause में verb, future tense की हो ,तो subordinate clause की verb, present indefinite tense में होगी इसे हम ऐसे भी कह सकते हैं कि यदि वाक्य conditional है ,तो subordinate clause प्राय : present tense में ही होगा न कि future में ;जैसे

(a) You will catch the train if run fast.
(b) I shall be right glad if you come.
(c) We shall not go to market if it rains.
(d) I shall wait till he comes.
(e) We will start as soon as the taxi arrives.

(ii) यदि वाक्य if, till, when, unless और as इत्यादि से शुरू हो ,तो इनके साथ Present Indefinite का प्रयोग होगा तथा Principal Clause में Future का प्रयोग होगा ;जैसे

(a) If she comes, we shall accompany her.
(b) When he comes, I shall start.
(c) Till he comes, we will wait here.

B. Principal Clause की Verb का Tense यदि Past में हो ,तो Subordinate Clause की verb भी Past Tense में ही होगी ;जैसे

(a) He told me that he had written a letter.
(b) She said that she wanted money.
(c) I found out that he was guilty.

EXCEPTIONS:-

(i) यदि Subordinate Clause में किसी प्रकार की सार्वभौमिक सच्चाई (Universal Truth) है अथवा रोज़मर्रा की आदत (Habitual Fact) है ,तो उसका Tense हमेशा Present Tense में ही रहेगा चाहे Principal Clause की Verb का Tense, Past क्यों न हो ;जैसे

1. Universal Truth

(a) The old man said that union is strength.
(b) He said that honesty is the best policy.

2. **Geographical Truth**

(a) The teacher said that the earth revolves round the sun.

(b) The teacher said that the sun rises in the east.

3. **Habitual Fact**

(a) We said that we do not drink daily.

(b) He told me that his mother goes out for a walk daily.

(ii) यदि Principal Clause में past tense हो ,तो adverb clause of place, reason और comparison तथा adjective clause में वाक्य के भाव के अनुसार कोई भी Tense आ सकता है ;जैसे

(a) Your brother requested her more than I do. (comparison)

(b) He went to Delhi where his brother is employed. (place)

(c) She did not accompany us because she cannot walk. (reason)

(d) He helped me more than he helps or helped or will help you. (comparison)

(e) My friend loved me more than I love him. (comparison)

(iii) Lest साथ 'should' या 'might' तथा 'as if' और 'as though' आदि के साथ 'were ' का प्रयोग होता है ;जैसे

(a) She walks carefully lest she should fall down.
(b) I worked hard lest I should fail.
(c) He talks as if he were mad.

(iv) यदि Subordinate Clause 'कारण या स्थान' प्रकट करे या Adjective Clause में हो,तो इसकी Verb वाक्य के भाव के अनुसार किसी भी Tense में जा सकती है । जैसे :-

(a) I did not see the man who manages the shop.
(b) I saw a man who sells books.
(c) The police caught a man who steals bicycles.

5. Read the passage given below.

1. In six months, road users in Kathmandu, the capital of Nepal, have learned to cringe at using the car horn unnecessarily. "I feel embarrassed now when I occasionally blow the horn," said Rajaram Dangal, a hotel manager. "I feel like people are staring at me from all around." Clearly, the traffic police's slogan of "Let's be civilised, let's not use the horn" is working.

2. Making Dangal give up his instinctive action at the wheel has not been easy. Like in most old South Asian cities, horns seem a matter of life and death in Kathmandu, with its narrow, congested, pot holed roads. Pedestrians-and animals-cross the roads at will. There are no traffic lights and road dividers. And yet today, you only hear a few stray beeps on the street. Even these sound tentative and have none of the aggressive, let-me-through tone that you find in, say, Delhi.

3 The induction of a no-nonsense officer to head the traffic police, a ban on horns, strict vigilance, a fine of ? 500 (? 315 in Indian currency) and threat of public ignominy have brought a degree of silence on the noisy streets. Noise pollution had reached unhealthy highs in the Nepalese capital.

4. After clamping down on honking, 15,500 people have been hauled up. Sarbendra Khanal, traffic police chief, said this was achieved despite the cops having no mechanical device to pinpoint the horn sound.

5. And yet, the quietude of sorts is holding out." "It's early days still, but I feel mindsets are changing," Khanal was optimistic. The government's intent to change the street ambience was enunciated in no less than Khanal's selection to head the traffic police soon after the announcement of the ban. What did DIG Khanal bring to the table? He has little traffic experience. Rather, the officer has a reputation as an "encounter specialist", having crushed 109 criminal outfits in the Terai.

6. It isn't difficult to extrapolate Khanal's renown as a tough cop to the willingness of the people to fall in line. Roads are dense with motorcycles since car prices are prohibitive there.

7. Reining in these weaving, wailing two wheelers was the biggest challenge for Khanal and his team. However, it isn't all baton and threats. There is a continuing awareness drive, which to date has included 9,400 roadside gatherings, 1,230 sessions with bus and truck drivers and 1,680 visits to schools and colleges. The results are there to see or rather hear.

8 The success has proved that tough measures can be implemented.

4.1 On the basis of your reading of the passage, answer the following questions by choosing the best of the given choices.

Question (a)

The traffic police in Kathmandu

(i) has linked not blowing car horns to being civilized.
(ii) made strict rules against blowing horns.
(iii) has used multi-pronged strategy for controlling horn blowing by car drivers.
(iv) All of the above

Answer:

(iv) All of the above

Question (b)

Not blowing horns on the streets of Kathmandu is a matter of life and death because

(i) it could lead to accidents.
(ii) the roads are narrow.
(iii) there are no road dividers.
(iv) None of these.

Answer:

(i) it could lead to accidents

Question (c)

That the people of Kathmandu are not blowing car horns shows that

(i) they are law abiding.
(ii) the strategy of strictness combined with educating the public has been successful.
(iii) the police chef's reputation as an encounter specialist is justified;
(iv) All of the above.

Answer:

(ii) the strategy of strictness combined with educating the public has been successful.

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Question (d)

Sarbendra Khanal was chosen to be the chief of traffic police in Kathmandu because

(i) he had experience in controlling traffic.
(ii) he was an encounter specialist.
(iii) he was popular among people.
(iv) he was a no-nonsense officer

Answer:

(iv) he was a no-nonsense officer

Question (e)

'Extrapolate' in para 6 means

(i) estimate
(ii) make known
(iii) cringe at the car horn
(iv) alert the pedestrians

Answer:

(i) estimate

Question (f)

'Reining' in para 7 means

(i) a lot of traffic
(ii) controlling
(iii) tough measures
(iv) intent to change

Answer:

(ii) controlling

4.2 Answer the following.

(a) Noise pollution had reached highs in the Nepalese capital.
(b) Roads are dense with motorcycles because car prices are there.
(c) The traffic police's slogan was, "Let's be civilised, let's not use the horn." [True/False]
(d) Khanal was a pessimistic, non-nonsense officer to head the traffic police in Kathmandu. [True/False]

Answer:

(a) unhealthy
(b) prohibitive
(c) True
(d) False

4.3 Find words from the passage which have a meaning similar to these:

(a) controlling (paragraph 6)
(b) short stick used by policemen, sportspersons (paragraph 7)

Answer:

(a) reining in
(b) baton

6. Read the following passage carefully.

1. Dr. A. P. J. Abdul Kalam, the eleventh president of India, was a great scientist, teacher and writer. He had written many books like 'Ignited Minds,' 'India 2020,' 'Mission India' and 'Wings of Fire'. He was a source of inspiration for the young and old alike. Here is an extract from 'Wings of Fire' which depicts his early life in his own words.

2. My parents, Jainulabdeen and Ashiamma were widely regarded as an ideal couple. My mother's lineage was the more distinguished, one of her forebears having been bestowed the title of 'BAHUDUR' by the British. I normally ate with my mother, sitting on the floor of the kitchen. She would place a banana leaf before me, on which she had ladled rice and aromatic sambhar, a variety of sharp home-made pickles and a dollop of fresh coconut chutney.

3. The famous Shiva temple, which made Rameshwaram so sacred to pilgrims was about a ten- minute walk from our house. Our locality was predominantly Muslim, but there were quite a few Hindu families too, living amicably with their Muslim neighbours. There was a very old mosque in our locality where my father would take me for evening prayers. I had not the faintest idea of the meaning of the Arabic prayers chanted, but I was totally convinced that they reached God. When my father came out of the mosque after the prayers, people of different religions would be sitting outside, waiting for him. Many of them offered bowls of water to my father who would dip his fingers in them and say a prayer. This water was then carried home for invalids. I also remember people visiting our home to offer thanks after being cured. My father always smiled and asked them to thank Allah, the benevolent and merciful.

4. The high priest of Rameswaram Temple, Pakshi Lakshmana, was a very 'close friend of my father. One of the most vivid memories of my childhood is

being filed. The page is either getting redirected or stuck. I have tried multiple times, and I could not go through with it. Can you please check and let me know if the return request has been filed for the order no. 3049. If not, kindly let me know what I should do to return the product.

I am attaching herewith photographs of the damaged portion of the top and the opening video for your reference.

Thank you

Yours sincerely,

Signature

VISHWAJEET DAS

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

1.Write a letter to the Commissioner of Police, about the grant for an appointment as Sub-Inspector.

2. Write a letter to the Municipal Commissionar on the necessity of public parks in the crowded areas of Jaipur.

3. Write a letter to your friend describing about a book you have just read and strongly recommending it to him.

Report writing

Report लेखन, writing का ही एक part है। जिसमें आँखों देखी घटना, सुनी गयी या जिनके बारे में हम जानते है और जिनकी जाँच-पड़ताल की गयी हो आदि घटनाएं शामिल होती है।

Report लेखन article लेखन के ही समान है। रिपोर्टर्स journals, newspapers, and magazines आदि में प्रकाशित होती हैं।

रिपोर्ट लिखने का उद्देश्य किसी घटना, विषय या विचार के बारे में संक्षेप में जानकारी देना है। उदाहरण के लिए, लोगों के बीच खबर फैलाने के लिए एक समाचार रिपोर्ट लिखी जाती है।

एक रिपोर्ट एक document है जिसमें event या subject से related सभी information शामिल होती है और सभी तथ्यात्मक जानकारी शामिल होती है। इसलिए, report writing से पूर्व writer को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रदान की गई सभी सूचनाओं के लिए इसके पास उचित सबूत हैं।

रिपोर्ट के प्रकार

उद्देश्य के आधार पर और आप अपनी रिपोर्ट किसे प्रस्तुत करते हैं, इसके आधार पर कुछ भिन्न प्रकार की रिपोर्टें होती हैं, जो निम्नलिखित है-

Academic report: Tests a student's comprehension of the subject matter, such as book reports, reports on historical events, and biographies.

Business reports: Identifies information useful in business strategy, such as marketing reports, internal memos, SWOT analysis, and feasibility reports.

Scientific reports: Shares research findings, such as research papers and case studies, typically in science journals.

Reports are usually assessed on content, structure, layout, language, and referencing. You should consider the focus of your report, for example:-

- Are you reporting on an experiment?
- Is the purpose to provide background information?
- Should you be making recommendations for action?

लेखन के आधार पर रिपोर्ट को आगे श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, एक रिपोर्ट औपचारिक (Formal) या अनौपचारिक (Informal), छोटी या लंबी और आंतरिक (Internal) या बाहरी (external) हो सकती है। व्यापार में, एक Vertical report (लंबवत) रिपोर्ट पदानुक्रम के विभिन्न स्तरों पर लोगों के साथ जानकारी साझा करती है (यानी, जो लोग आपके ऊपर और नीचे काम करते हैं), जबकि एक lateral report (पार्श्व रिपोर्ट) लेखक के समान स्तर पर लोगों के लिए होती है, लेकिन विभिन्न विभागों में होती है।

रिपोर्ट में क्या क्या शामिल करें?

The information that can be added to a report include-

- The brief details of the event
- Consequences and effects of the event
- Evaluation of statistical data and analytics
- Interpretations from the information
- How the information is relevant to other events.

Language of report writing

Reports use clear and concise language, which can differ considerably from essay writing.

They are often broken down in to sections, which each have their own headings and sub-headings. These sections may include bullet points or numbering as well as more structured sentences. Paragraphs are usually shorter in a report than in an essay.

Both essays and reports are examples of academic writing. You are expected to use grammatically correct sentence structure, vocabulary and punctuation.

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये
RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)

whatsapp - https://wa.link/uwc5lp 1 web.- https://bit.ly/3X6MGue

FREE SAMPLE

SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

Our Selected Students

Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
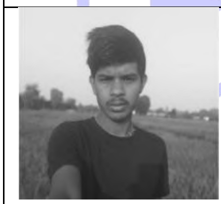	**Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati**	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP
N.A	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	MONU S/O KAMTA PRASAD	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
	Govinda Jangir	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
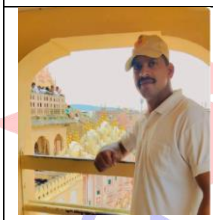	**Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel**	Rac batalian	729141135	Dis.-Bhilwara
N.A	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota

And many others……

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp करें – https://wa.link/uwc5lp

Online order करें – https://bit.ly/3X6MGue

Call करें - 9887809083

FREE SAMPLE